



# भारत का याजपत्र

## The Gazette of India

ग्रन्थालय

EXTRAORDINARY

भाग II—वर्ष 3—उपक्रम (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 456]

नई विलासी, वृहस्पतिवार, नवम्बर 6, 1975/कार्तिक 15, 1897

No. 456]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 6, 1975/KARTIKA 15, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह आलप संकलन के लिए रखा जा सके।

*Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.*

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

## ORDER

*New Delhi, the 6th November 1975*

S.O. 643(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 115, read with sub-section (6) of section 8, of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, M. G. Abrol, Administrator, being of opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise every Government Department, every University or Research Institute, and every Institute, engaged in the promotion of sports, cultural or charitable activities, which are receiving a grant-in-aid from the Government (hereinafter referred to as the authorised acquirer), to buy or otherwise acquire all or any of the following articles, namely, gold (or gold plated) medals, gold plated cups and gold plated trophies, for the purpose of presentation on specific occasions, subject to the following conditions—

- (i) that the purity of gold contained in a gold medal shall not exceed 14 carats.
- (ii) that the authorised acquirer shall, before placing an order for the manufacture of any gold medal, furnish the following particulars to the Superintendent of Central Excise, appointed as a Gold Control Officer within the local limits of whose jurisdiction the Government Department, University or Institute, as the case may be, is located, namely:
  - (a) the number of gold medals to be manufactured;
  - (b) the weight and purity of the gold contained in each gold medal;
  - (c) the name of person to whom the presentation is to be made and the specific occasion on which such presentation is intended to be made;
  - (d) the name and address of the licensed dealer who will manufacture such medal.

2. I further authorise, under sub-section (6) of section 8 and under section 29 of the said Act, every licensed dealer to make, manufacture or prepare or to get made, manufactured or prepared any gold medal or gold plated medal, cup or trophy as aforesaid for and on behalf of the authorised acquirer.

[No. 17/75 F. 142/8/75-GC.II]

M. G. ABROL,  
Gold Control Administrator.

**वित्त बंत्रालय**

(राजस्व और बीमा विभाग)

भारत

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1975

का० आ० 643(ग).—स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 8 की उपधारा (6) के साथ पठित धारा 115 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मेरी, एम० जी० अब्राहम प्रशासक, की यह राय है कि इसमें विनियिट मामलों के बारे की विशेष परिस्थितियाँ ऐसी अपेक्षा करती हैं, अतः मैं प्रत्येक सरकारी विभाग, प्रत्येक विश्वविद्यालय या अनुसंधान संस्थान और [खेलकूद, सांस्कृतिक या पुण्यार्थ क्रियाकलापों में लगे प्रत्येक संस्थान की, जो सरकार से (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत अर्जक कहा गया है) सहायतार्थ—अनुदान प्राप्त कर रहे हैं, निम्नलिखित सभी या किन्हीं वस्तुओं, अर्थात् स्वर्ण (या स्वर्णविनियिट) पद को, स्वर्णविनियिट कपों और स्वर्णविनियिट ट्रॉफीयों को विशेष अवसरों पर छें करने के लिए निम्नलिखित घटों के अधीन रहते हुए खरोदने या अन्यथा अर्जित करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ :—

- (i) स्वर्ण पदक में लगे स्वर्ण को शुद्धता 14 कैरेट से अधिक नहीं होगी;
- (ii) प्राधिकृत अर्जक, किसी स्वर्ण पदक के विनिर्माण हेतु आँडर देने से पूर्व, स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी के रुप में नियुक्त केन्द्रीय उत्पाद एक्सप्रेस के अधीक्षक को, जिस को स्थानीय अधिकारिता के भीतर यथास्थित सरकारी विभाग, विश्वविद्यालय या संस्थान स्थित है, निम्नलिखित विशिष्टियाँ प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—
- (क) विनियिट किए जाने वाले स्वर्ण पदकों की संख्या;
- (ख) प्रत्येक स्वर्ण पदक में लगे स्वर्ण की शुद्धता और भार;
- (ग) उस व्यक्ति का नाम जिसे उपहार दिया जाना है और वह विशेष अवसर जिस पर ऐसा उपहार दिया जाना आशयित है;
- (घ) उस अनुज्ञात व्यौहारी का नाम और पता जो ऐसे पदकों का विनिर्माण करेगा।

2. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (6) और धारा 29 के अधीन, प्रत्येक अनुज्ञात व्यौहारी को यथापूर्वोक्त कोई स्वर्ण पदक या स्वर्णविनियिट पदक, कप या ट्रॉफी, प्राधिकृत अर्जक के लिए और उसकी ओर से बनाने, विनियिट करने या तैयार करने या ऐसा कराने के लिए भी प्राधिकृत करता हूँ।

[सं० 17/75 फा० 142/8/75-स्व०नि० II]

एम० जी० अब्राहम  
स्वर्ण नियंत्रण [प्रशासक]